*७*७॥ लूट्याप्तैय:चायरतस्त्रैचीय:उर्चू च शुदुःसूच:घटः।

मघउर्द्र्यमिष्यः जात्राचाराद्रात्त्रमाञ्चा भ्रष्टेमञ्जूर्यम् कुर्मूर्यमञ्जूर्मायान्यात्रात्तरा

美生世美之

🛊 २व्रॉ चक्रीरेतिकार्करामामी ब्रदक्षे व्यस्तायस्य स्वित क्षेत्र देव व्यव्संद स्वेर के क्षेत्रस्य स्वर्त कर्मा का अध्यापक क्षेत्रस्य के स्वर्त करिया स्वरत्त स्वरत्त स्वर्त करिया स्वरत्त स्वर्त स्वरत्त स्वरत्त स्वरत्त स्वरत्त स्वरत्त स्वरत्त स्वर्त स्वरत्त स

बीचन्तु स्टर्चनमञ्जूर सि.क्र्यान्तु व्ह्या मुट्ट्ची त्रीर मन्त्र में क्रियान में बीस्तान सि.क्र्या में सि.क्र्य सि.क्र्या में सि.क्र्या में सि.क्र्या में सि.क्र्या में सि.क्र्या में सि.क्र्य में सि.क्र्या में सि.क्र्य में सि.क्र्य

मुभावपावना नी न्यर अर्ह्य अध्व क्षे व्योभावण्य मुभाविन व्योभाविन क्षुय क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र निर्वाणया ने दे ५ उर वाभावावन के प्रविवाणीया

स्त्रा कुर जेनाभाशितार् क्रम्प्य कुम्म स्वर् कुम्म स्वर्भ कुम्म स्वर् कुम्म स्वरं कुम स्वरं कुम्म स्व

म्रिमालमञ्जानम् नर्ति स्टर्स्य क्रिस्मा क्रिस्य स्टर्स्य स्टर्म्य स्टर्स्य स्ट्रिस्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्ट्र्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्ट्य

चीवरा अचीरा उर्दु क्षेत्र जासूर. र.क. कूचीरा कृष वर्षा विराजसँचीरा विस्त

क्ट्रिं प्रमुख्यान्त्रिक्टर्स्य क्षित्र क्रिंस्य स्वाप्त क्रिंस्य स्वाप्त क्रिंस्य स्वाप्त क्रिंस्य स्वाप्त स् इ.स. व्याप्त क्रिंस्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्

र्देब:र्क्ब:५५:पी

त्यां यक्षित द्वाभक्ष म्लून अक्षेत्र का क्षेत्र का का क्षेत्र का का क्षेत्र का क्

र्ट्व-क्व-मान्नेशन्।

न्दर्भ उन्देशक्त स्त्रमूच त्यर जूर्य कार्य स्टिस्स के अनुपान त्यात्वा क्र्या अद्वा अद्वा अद्वा अद्वा अद्वा अप अव्युत्र इत्याका विभाग व्युत्त व्युत्त व्युत्त क्ष्य क्ष्य क्ष्य विभाग क्ष्य क्ष्य विभाग क्ष्य क्ष्य विभाग विभाग क्ष्य क्ष्य विभाग विभाग क्ष्य क्ष्य विभाग विभाग क्ष्य क्ष्य विभाग क्ष्य क्ष्य विभाग विभाग क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य विभाग क्ष्य क्ष्य

्त्रवा। २.दिर.केशावत क्या अनावअनार क्षेत्र प्रस्ति के हुंचाअठूंचा है जावअन। स्टचाक्टिस्ट क्रेंट्य अल्वना नाक्ष्य स्वान्त्य स्वान्त्य स्वान्त्य स्वान्त्य क्षेत्र जनका है केर जन्द स्वान्ते क्षेत्र जनका है केर जनका

र्ट्व.क्वं.चश्चमः।

भ्रेव् र र र मूर्य १ वर्ष्ट्र व दर। र र र वर जर्भेर ता अव त् वर भ्रेर वर्ष की मृत्य स्त्रित्।

र्ट्व.क्व.यन्ने.न।

र्ट्व.क्व.र्जन।

श्री ती ती. कार्यन मार्टेर मार्टेर पर्टिर पर होता है प्राप्त के किए के प्राप्त की की किए के किए के किए की की की

र्ट्व.क्व.दैय.ता

भुषे में में में में मानिकार की अनुवास मान वर्ष विचा है वर वर्षों माने विचा आदेश वर्षे वा कर्षा माने विचा माने आदि ।

र्ट्व.क्वं.नर्वे.न

र्देव:र्क्व:पक्त5:पा

. કું ત્રેન્ટ્ર કહ્યાના માત્રા કુંચન તુંત્ર મુન્દ વહે વાલે કર્યું કુંગ કર કંચન તરા કુંગાન વનાન કુંગ કુંચ કુંચાન કહ્યું કુંચાના કુંઘું માના કુંઘું કુંચાના કુંઘું માના કુંઘું

र्देव:व्ह्व:दशुप्प

શ્રુપ્તિ નામ નાર્ટન -બુનાય છીય વર્દન નાસુમ માર્ગ મેં દ્રમાં ખામ ના છુંમ વસુન નુેન પાનકય છી અનમ નાર્ટન સુંધ દુન સુના શ્રી કેના

र्देव:क्वंप्परु:प

भु त्रुत्र इस स्टर्टिक्ष अस्ट क्ष्री अक्षेत्र स्टेब्सिका कर क्षेत्र वाद अवादिव क्षेत्र विश्व कार अविद्याल क्ष्य भुक्ष कर स्टर्टिक्ष अस्टर्टिक्स कार्य क्षेत्र वाद अवाद अवादिव क्षेत्र वाद अवाद क्षेत्र कार्य क्षेत्र कार्य क्ष

र्देब:क्बं'च्छु:बाठिबा:धा

क्षे च्रु मुम्म द्वामा ठचना के मुंब नर्द्व नर्द्य नाम चान ने पान ना क्षेत्र के उपाव में नर्द्य उपाय में नर्द्य विषय के वा विषय के विषय

তের। ৢবর্মান্ত্রিসাওবাশত্ত্রী দর্শনাত্ত্রিসালন নমা কুমন্ত্রিন্তুসালন নমা কুমন্ত্রিন্ত্রসালন ক্রমন্ত্রিসালন নমা কুমন্ত্রিন্ত্রসালন নমা কুমন্ত্রিন্ত্রসালন নমা ক্রমন্ত্রসালন নমা কুমন্ত্রস্থান নমান্ত্রসালন নমা ক্রমন্ত্রস্ত্রসালন নমা ক্রমন্ত্রসালন করেন্ত্রসালন নমা ক্রমন্ত্রসালন ক্রমন্ত্রসালন করেন্ত্রসালন করেন্সালন ক্রমন্ত্রসালন করেন্সালন ক

र्ट्व.क्वं.चठु.चाठुशःमा

श्राप्ते सन्दर्भन्ति क्षेत्रकेत् नित्रकेत्। त्याकेत्र विवायकेत्र विवायकेत्र

र्ट्रव.क्वं.चश्च.चश्च.त

भ्रै मुर् रूप भ्रिमायन मृत्यूद्व मामक्तमा वदानूरमा अन्त्रीमान प्रमुख्य मामका मूर्य ।

भुम् र् रूर रूर स्थाने चारास्था स्था स्था वर्षे स्था तथा हिर सूर्य हिर तथा। यह तर समार हिर जूना हिर तर्र सूरा स

र्देव:क्वंव:मञ्जनवी:मः

भ्रै मूर् इर रट भेट वार्ष्ट उष्ट्र जमा वीजून कुर भिनाववार्षिय देवी बीजाट अपूर्ण श्रीविका उष्ट्र वर जूर मा श्री हुट राउँ हूव घर जूर में

मृत्यस् उद्गायम्बेववश्चेर् र्वत्याल्वरातृत्त्रीयमा व्यापायमा मध्याक्रेयम्बाद्यायाः चेत्रस्ता मध्यान्त्रभूतिमायमा चित्रस्ता स्वित्यम्बाद्यायाः

र्देब.क्ब.नर्रु.कं.ना

श्चे में में में में मुशावन हिवा व्यत् द्वीं शाय दे विचा वह व्यत्।

श्वनार चील मार खिना मी सुभावन होन घर नर्द्य-भेर ग्रील वर्षेना परस्य । यह तर्दे सुभावन नहे नक्षुर मी होन घर माना वर्षेना मेर रिवेर रेनाल से सेन

र्देव:र्क्व:परु:दुमाःपा

भ्रै तृत्र्य क्ट्रं ज्वान्वमाजात्रयात्र र्यात्र स्वात्ता कृत्र ज्वायान्य के क्ट्रं ज्वायान्य के क्ट्रं ज्वायान का अन्य क्ट्रं क्ट्र

तंत्रत्रु मिष्ठेश मात्र स्टार्निया मेर्बिक क्रिये पात्रे वृत्रे क्रे व्याकर या क्रिया स्वीता प्राधिवा

⁽ कुंश क्ट्र देन्ट न्यूबर के नाब इ.र्ज स्पूर के क्व्य नाठेबा ह्रों महिल क्वा का क्वा का क्वा का क्वा का क्वा का कि

र्ट्व.क्व.न्यु.न्यु.नर्ट्व.न।

याचित्र सम्मिन् सम्मिन

श्रि.चीर.चील.चीर.खुचा.ची.काचर.रेचर.चश्च.उर्लूचा.चेर.रायु.सूचाला.कुचा ।

र्ट्व.क्व.नर्रु.नक्ट.ता

र्देव र्क्व परु र शाप

मञ्जा कुर्यर नेपार स्थान कि स स्थान कि स

र्देब:ब्र्ब्ड्व:क्रे:-बुःपा

क्ट अर चीवु अधिव क्रिअधिव क्रिक्षेव अर्थे वर्षे वर्षा वर्षे वर्षे

श्री तुर्व त्यार श्रीर : क्षेत्रा चाडुचा थि.श्री क्ष्योग अधर वय क्षेत्र चरचा थे र छिर रादु दुर्चाण श्री क्र्यो

र्देव:क्वंकेर:माठेमाया

क्ट्र बर रट छेट वंशवर गर रखा व्याप्त प्राप्त के प्राप्त वे प्राप्त प्राप्त के प्र

र्क्ट्यर स्ट मी सुभाशुर ब्रद दु श्री स्ट भावत्या यदेवाया लु चरे वेच व्रद यद्या भुस दु स्थित्।

भुभर मुज्द्रित्त्र मुब्दिस् मुद्दर कर्त्र मुब्द्र द्युत्या त्रवृद्दि। उर्द्द्र पद्देश भवन मुब्द्र अवन मुब्द्र अवेर त्रकृतानाना मान्य विद्या मिल्टिस् मुक्ति स्वत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मिल्टिस् स्वत्र क्षेत्र क्षेत्र मिल्टिस् क्षेत्र मिल्टिस्

र्देव र्क्व केर मानेशय।

सन्भिर् हुर् अम्बोन् किराह्मक स्मा रह्मी के सहस्य कुर्या निर्माण स्मानित स्मानित स्मानित स्वरुप्त क्षेत्र स्मानित स्वरुप्त स्मानित स्वरूप्त स्वरूप्त

र्ट्व.क्व.केर.चाश्चमःग

શું લગ્ને રંગ આપાલું લગ્ના આ આવેલા અને દ્વારા અને અને કુલા લગ્ના સાથે કુલા મારા તાલુકા મારા તાલુકા મારા તાલુકા

क्ट अर द्वे ववेद वार यर केट एवं स्ने ब्रायम देव वद्या सर्वे त्या मा स्वीय वद्या मा स्वीय वद्या मा स्वीय विद्या

शामुन में स्टर्स मी प्राप्त और भूति करें कूर में जानाभा कूर्याना उद्दीयाना स्टर्श कूर मुंग कूर्याना तर्जा प्राप्त भी स्त्री में तर्जा मी

र्देब:क्बंस्त्रेस:पद्धिःपा

श्रामुन स्टायमापितुमार्स्य सम्बाद्धाः द्वाराम् प्रमाणमार्थे स्याप्तान्य स्थापमार्थे स्थापमार्ये स्थापमार्थे स्थापमार्ये स्थापमार्ये स्थापम

र्ट्यक्यभ्रम्भा

श्रीचे सः स्ट होर्टा स्ट मीत्रकारकार नगर्मा रहा केर्ना मेन केर्या देशी हुँ स्वागबनाय देशी मेन अने स्वाप्त कराय का स्वाप्त स्वाप्त कराय स्वाप्त स्वाप्त कराय स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त

व्यम्ता सिस्मिन्नी मोर्चया क्रेन्या त्या कर्मा क्रिन्या प्राप्त क्रिन्य क्रिन्य प्राप्त क्रिन्य प्राप्त क्रिन्य क्रिन

र्देव:क्वंत्रतेर:द्वापा

શું તું કર્મના શક્યું ક્ષેત્ર ના કું કર્મના વળક્ષ કરો ક્ષેત્ર કર્મના અને કું કર્મના અને શ્રું કું કર્મના અને અને કું કર્મના કું કર્મના કું કર્મના અને અને કું કર્મના અને કું કર્મના અને કું કર્મના સ્થાપ કું કર્મના અને કું કર્મના સ્થાપ કું કર્મના અને કું કર્મના સ્થાપ કું કર્મા સ્થાપ કું ક

तः अक्टूब्र-दर् मी सिसी क्षेत्रा वरण्यात्र प्राप्त श्रीत श्रीत मीत्र मार उर्त विमा श्रीत र मूर्या उर्दर उद्भव सित पर मार्थ मुद्ध मुद्द श्रीत श्रीत स्था

र्देव:क्वंनेत्र:पर्वःपा

श्चे म्हुम् इंद्रम् अन्ते द्रमामानुद्र वह स्टर्मिन मानुनाय हर्मिन हर्मिन स्वर्मिन स्वर्मिन स्वर्मिन स्वर्मिन स्वर्मिन

र्देव:व्हेंब:केर:पक्तर:पा

भ्रे च्राप्त्रमानामान्त्रमान वर्षे वर्षा हरणोर् क्रे भ्रेच घर दर्श म्याप्त मान्य क्षेत्र भ्रेच क्षेत्र भ्रेम क्षेत्र भ्रेम वर्षा वर्षा वर्षा क्षेत्र भ्रेम क्षेत्र भ्रेम वर्षा वर्षा क्षेत्र भ्रेम क्षेत्र भ्रेम वर्षा वर्षा क्षेत्र भ्रेम क्षेत्र भ्रेम वर्षा वर्षा क्षेत्र क्षेत्र भ्रेम क्षेत्र भ्रेम क्षेत्र क

र्देव:क्वंकेर:दशुःधा

क्केचॅर्रे रेश केंकेवा ग्री अथ त्याव त्यार नवीं या धीव है। देविंव देव र दुर्ग मी मी विश्व हैं दि मार शव व वर्ग ना से ए या हु या पीवा

स्त्रवीच्याचर्ना प्रत्या के स्वाप्त के स्वाप के स्वप के स्वाप के स्वप के स्वाप के स

ह्मा हार तरा । सर त्यर वर्त त्या अभ्य हुम्य कुम क्रमा कुम्य हम्य तर त्था मान्य व्याप हुम्य व्याप हुम्य व्याप हुम्य ।

र्ट्व.क्व.श्रेम.चश्रे.ता

चर्चेचानत्रद्वं बटनार्यकृतः त्यात्रकार् ॥ कृतान्त्रचन्ना कृत्रीतता कृष्ट्रम् तर्वेचान्त्रकृत्वत् व्यव्यक्त्रम् कृत्वत्रम् त्रम् विक्तान्त्रम् विक्तान्त्रम्